BSES Rajdhani Power Limited

सुरक्षा है जहाँ खुशियाँ हैं वहाँ

जनहित में जारी–आपकी सुरक्षा हमारी जिम्मेंदारी

एक कदम: सुरक्षा की ओर

सुरक्षा का मंत्र अपनाओ, जीवन में खुशियां ही खुशियां पाओ।

सुरक्षा के मायने है हजार, सुरक्षा से जीवन में है बहार!!

विद्युत उपकरणों की समय पर जाँच, आने न दे जीवन पर आंच ।।

घरों और इमारतों में बिजली से लगने वाली आग और दुर्घटनाओं से बचने के लिए सुरक्षा उपाय

1. सभी इलेक्ट्रिकल काम केवल अपने क्षेत्र के योग्य और प्रशिक्षित इलेक्ट्रीशियन द्वारा करवाएं। कुछ ट्रेन्ड इलेक्ट्रीशियन की लिस्ट **BRPL Web Site** पर भी उपलब्ध हैं ।
2. बिजली की लाइनें, ट्रांसफार्मर, खम्बे, फीडर पीलर एवं बिजली उपकरणों से उचित दूरी बनाकर रखें।
3. यदि आपके घर के पास में पोल पर अथवा ट्रांसफार्मर पर स्पार्किंग हो रही है तो तुरंत बिजली विभाग में 19123 पर सूचित करें।
4. एक्सटेंशन कॉर्ड को कभी भी अधिक आवाजाही वाले क्षेत्रों में न रखें, जहां उन पर पैर पड़ने या उपकरणों के नीचे दबने से वे क्षतिग्रस्त हो सकते हैं
5. अपने घर के पास पोल पर इंटरनेट, केबल टीवी अथवा टेलीफोन के तारों का जाल बनने से रोकें। यह आप की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं ।
6. हमेशा अपने घर की वायरिंग स्टैंडर्ड रेटिंग के वायर से लोड के अनुसार करवाए एवं वायर **I.S.I mark** प्रमाणित हो ।
7. अपने घर एवं ईमारत की बिजली की वायरिंग में हमेशा उचित रेटिंग की **ELCB/MCB** का प्रयोग करें।
8. गीजर के प्लग को गर्मियों में निकाल दे एवं हायर रेटिंग के उपकरणों के लिए हमेशा पावर सॉकेट का इस्तेमाल करें
9. बिजली के मीटर के पास कभी भी ज्वलनशील पदार्थ ना रखे ।
10. गाड़ी, कार, टू व्हीलर इत्यादि को बिजली के मीटर के पास खड़ा ना करें ।
11. अपने इलेक्ट्रिकल वायरिंग, अर्थिंग और उपकरणों की नियमित जाँच एवं सर्विस करायें।
12. कटे या टूटे तारों की नियमित रूप से जाँच करें और तुरंत बदलें।

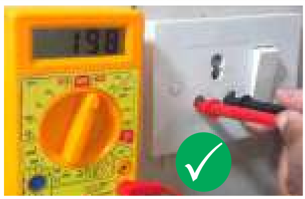

अग्नि दुर्घटना से है जबर्दस्त नुक्सान, अग्नि बचाव को बनाये अभियान

13. गर्मी का सीजन आ गया है तुरंत वायरिंग चैक व दुरूस्त करवा लें।

14. आग से बचने की योजना बनाएं और उसका अभ्यास करें ताकि सभी को पता हो कि आपात स्थिति में कैसे सुरक्षित रूप से बाहर निकलना है।

15. एक उपकरण के लिए एक सॉकेट का ही उपयोग करें। टूटे हुए प्लग और स्विच तुरंत बदल दें।

16. उपयोग के बाद उपकरण को बंद करें और सॉकेट से प्लग को हटा दें। लंबे समय के लिए घर से बाहर निकलते समय मुख्य स्विच को बंद करें

17. तारों पर कभी भी अस्थायी या नंगे जोड़ न रखें। बिजली के तारों को गर्म और गीली सतह से दूर रखें।

18. कालीन, चटाई या दरवाज़े के नीचे तार न बिछाएँ। वे कुचल जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप शॉर्ट सर्किट हो सकता है।

19. होटल, रेस्टोरेंट, कमर्शियल बिल्डिंग अथवा घरों के अंदर स्मोक अलार्म लगा हो और हर महीने उनका परीक्षण करें और साल में कम से कम एक बार बैटरी बदलें।

20. अपने घर के मुख्य क्षेत्रों जैसे कि रसोई, गैरेज और फायरप्लेस के पास अग्निशामक यंत्र रखें। सुनिश्चित करें कि आपके घर में हर कोई जानता है कि उनका उपयोग कैसे किया जाता है।

21. बिजली के आउटलेट / सॉकेट्स पर ओवर लोडिंग न करें।

22. अगर आप रूम हीटर का इस्तेमाल करते हैं, तो उन्हें किसी भी ज्वलनशील चीज़, जैसे पर्दे या फर्नीचर से कम से कम तीन फ़ीट की दूरी पर रखें। कमरे से बाहर निकलते समय या बिस्तर पर जाते समय उन्हें बंद कर दें।

23. बच्चों को आग के खतरों के बारे में सिखाएँ और आग लगने की स्थिति में कैसे प्रतिक्रिया करनी है, यह भी सिखाएँ। माचिस और लाइटर को उनकी पहुँच से दूर रखें।

दिन हो या रात, अग्नि से बचाव की करिये बात।

24. AC व अन्य उपकरणों की समय समय पर सर्विसिंग करवाएं ताकि किसी शॉर्ट सर्किट या स्पार्किंग से बचा जा सके।

25. बहुत ज्यादा पुराना AC का इस्तेमाल न करें इससे बिजली खपत ज्यादा होती हैं और इसके कम्प्रेसर के फटने का अंदेशा बना रहता हैं ।

26. अपने बिल का लोड AC के लोड के अनुसार अवश्य स्वीकृत करवा लें।

27. यदि बिजली का काम करना हैं तो सूखे जुते–चप्पल पहन कर करें। गीले स्थान पर बिजली का कोई भी काम न करें।

28. बिजली नेटवर्क से किसी भी प्रकार की छेड़–छाड़ न करें और न किसी को करने दे। इससे जान का खतरा भी हो सकता हैं।

29. बिजली उपकरणों के आस–पास आग पकड़ने वाली कोई भी चीज न रखें।

30. रात में सोने से पहले या घर से बाहर जाने से पहले सुनिश्चत कर लें कि गैस पाइप लाइन या सिलिंडर को रेगुलेटर से बंद कर दिया गया है।

31. अपनी छत के दरवाजे की चाबी सभी के पास होनी चाहिए या फिर छत का दरवाजा खुला होना चाहिए ताकि इमरजेंसी में छत पर जाया जा सकें।

32. इमरजेंसी में बाहर निकलने के लिए रोलिंग रोप (रस्से वली सीढ़ी) अपने घरों में जरूर रखें।

33. किसी भी चीज को विद्युत पैनलों / स्विच से कम से कम 3 फीट की दूरी पर होना चाहिए। कुछ आपातकालीन स्थितियों में इन पैनलों / स्विच तक जल्दी पहुंचना आवश्यक होगा।

34. उपभोक्ताओं को मीटर पैनलों को अलग रखने के लिए एल आकार (L shape wall) की आइसोलेशन दीवार का प्रावधान करना चाहिए ।

तेल से लगी आग को मिट्टी से बुझाएं, पानी से दूरी बनाएं।

बिजली की आग से बचने के लिए मीटर को फायर प्रूफ पैनल में लगवाये।

बिजली के आउटलेट / सॉकेट्स पर ओवर लोडिंग न करें

अपने घर के पास पोल पर इंटरनेट, केबल टीवी अथवा टेलीफोन के तारों का जाल बनने से रोकें। आप की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करते हैं ।

इमरजेंसी में बहार निकलने के लिए रोलिंग रोप (रस्से वली सीढ़ी) अपने घरों में जरूर रखें।

जो हर पल सतर्क रहेगा वही अग्नि दुर्घटना से बचेगा

घर में बिजली से आग लगने पर निम्नलिखित कदम उठाएं:

1. आग लगने पर तुरंत 101 नंबर पर कॉल करके सूचना दें और बिजली विभाग में सूचित करें ।
2. आग से प्रभावित क्षेत्रों की बिजली को तुरंत बंद करें।
3. आग लगने पर लिफ्ट का उपयोग न करें, केवल सीढ़ियों का ही प्रयोग करें।
4. धुएँ से घिरे होने पर अपने नाक और मुँह को गीले कपडे से ढँक लें।
5. अगर आप धुएं से भरे कमरे में फँस जाएं और बाहर निकलने का रास्ता न हो, तो दरवाजे को बंद कर लें।
6. अगर आग आपकी अपनी ईमारत में लगी है, और आप अभी फ़से नहीं हैं तो पहले बाहर आएं।
7. हो सके तो अपने घर और कार्यालय में अग्निशामक अवश्य लगाएं रखे। यदि आपके पास एक **C-rated** अग्निशामक है, तो आग पर छिड़कें।
8. अगर आपके कपड़ो में आग लग जाए तो भागे नहीं। तथा अगर आपके पास अग्निशामक नहीं है, तो आग को एक मोटे ब्लैंकेट/कम्बल से दबाएं। याद रखें, यदि आपको लगता है कि आप सुरक्षित रूप से आग से लड़ सकते हैं, तो ही इन कदमों का पालन करें अन्यथा, तुरंत आपातकालीन सेवाओं को बुलाएं।

अपने इलेक्ट्रिक वाहन को चार्ज करते समय इन सुझावों का पालन करें:

1. उपयोग से पहले चार्जिंग केबल का निरीक्षण करें। कभी भी क्षतिग्रस्त चार्जर का उपयोग न करें।
2. चार्ज करने के तरीके के बारे में निर्माता के निर्देशों का पालन करें।
3. इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करते समय कभी भी एक्सटेंशन कॉर्ड या मल्टीप्लग एडाप्टर का उपयोग न करें।
4. केवल निर्माता द्वारा प्रदत्त या अनुमोदित चार्जिंग केबल का ही उपयोग करें। चार्जिंग प्रकार बदलने के लिए कभी भी एडॉप्टर का उपयोग न करें।
5. अपने इलेक्ट्रिक वाहन या उसकी बैटरी में कभी भी बदलाव न करें।
6. उपयोग में न होने पर क्षति से बचने के लिए चार्जर को उचित तरीके से संग्रहित करें।
7. सुनिश्चित करें कि बिजली के झटके से बचाने के लिए आपके पास उचित सुरक्षा है।
8. सुनिश्चित करें कि आपका चार्जिंग उपकरण राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परीक्षण प्रयोगशाला द्वारा प्रमाणित किया गया है।
9. सभी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जर किसी योग्य इलेक्ट्रीशियन द्वारा स्थापित किए जाने चाहिए।
10. इलेक्ट्रिकल वाहनों को ओवर चार्ज करने से बचें ।
11. अपने इलेक्ट्रिकल वाहन या चार्जिंग पांइट के पास एक अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें।

आग लगने पर पहले भागो फिर मदद के लिए पुकारो

मानसून के दौरान निम्न सावधानियों का पालन करें

1. मानसून शुरु होने से पहले, अपने घरों में बिजली की तारों, स्विचों और एप्लायंसेज़ की जांच करवाएं, और अगर कहीं भी करंट का रिसाव हो तो तत्काल किसी योग्य इलेक्ट्रिशियन से जांच/मरम्मत करवाएं।
2. अपनी खुद की सुरक्षा और बिजली के झटकों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए आईएसआई चिह्न वाले तारों और उपकरणों का ही इस्तेमाल करें। सुनिश्चित करें कि उनका साइज़ और रेटिंग भी उपयुक्त हो।
3. सभी प्रकार के इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस का पानी से बचाव ज़रूर करें।
4. बिजली के झटकों से बचने के लिए ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) या आरसीसीबी (रेज़ीडुअल करंट सर्किट ब्रेकर) का इस्तेमाल करें।
5. इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस जैसे बिजली के खंभों, सब–स्टेशनों,ट्रांसफॉमर्स, फीडर पिलर्स, स्ट्रीटलाइटों आदि से पर्याप्त दूरी बनाकर रखें, खासतौर से बारिश के दौरान या उन स्थानों पर जहां पानी रुका हो। बच्चों को इन इंस्टॉलेशंस के आसपास खेलने से रोके, भले ही इनके इर्द–गिर्द बाड़ या रोक लगायी गई हो।
6. ओवरहेड बिजली के तारों के नीचे या बिजली के खंभों के नज़दीक वाहनों को खड़ा न करें।
7. बसों या ट्रकों आदि की छतों पर सफर न करें।
8. मौसम संबंधी अपडेट्स नियमित रूप से लेते रहें और खराब मौसम में घरों से बाहर न निकले या जरूरी हो तो हर संभव सावधानी बरतें।
9. RWA या सुरक्षा की दृष्टि से लगायें नये लोहे के ग्रिल या दरवाजे को न छुऐ हो सकता है इसमें लीकेज या करंट हो।
10. सुनिश्चित करें कि आपके घर की बालकनी बिजली के तारों या खंभों आदि से कम से कम 1.2 मीटर की सुरक्षित दूरी पर हो।
11. बिजली की तारों के आसपास पतंगें न उड़ाएं।
12. बिजली के तारों के नजदीक नीचे खड़े पेड़ों पर न चढ़े।
13. बिजली के खंभों या अन्य इलेक्ट्रिकल इंस्टॉलेशंस के नीचे/नज़दीक आवारा जानवरों के खाने–पीने के लिए कोई सामग्री न रखें।

ध्यान में रखो बस एक ही बात, अपनी सुरक्षा अपने हाथ।

14. अगर आपको मीटर रूम खंभों आदि से चिंगारी निकलती दिखायी दे या अन्य किसी भी असुरक्षित स्थिति का पता चले, तो तत्काल सहायता के लिए 24X7 कार्यरत हमारे संपर्क केंद्र से 19123 पर संपर्क करें।
15. कंप्यूटर, टेलीविज़न और गेमिंग कंसोल जैसे संवेदनशील इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए सर्ज प्रोटेक्टर स्थापित करें। यह उन्हें बिजली गिरने या बिजली की खराबी के कारण होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है।
16. तूफान के दौरान उनके गिरने और बिजली कटौती या विद्युत संबंधी खतरे पैदा होने के जोखिम को कम करने के लिए बिजली लाइनों के पास स्थित पेड़ों और शाखाओं की छंटाई अपनी **RWA** के सहयोग से करवायें।
17. सुनिश्चित करें कि बाहरी बिजली के आउटलेट बारिश और नमी से बचाने के लिए मौसमरोधी कवर से सुसज्जित हों। जब तक कि वे विशेष रूप से बाहरी उपयोग के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए हों, तब तक बिजली के उपकरणों या उपकरणों का उपयोग बाहर न करें।
18. जब उपयोग में न हों, तो बिजली के उपकरणों को बंद कर दें या प्लग निकाल दें, ताकि बिजली के बढ़ते प्रवाह या बिजली गिरने के दौरान विद्युत खतरों के जोखिम को कम किया जा सके।
19. अपने घर की बिजली व्यवस्था को बिजली गिरने से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए लाइटनिंग रॉड या सर्ज प्रोटेक्टर लगाने पर विचार करें। ये सिस्टम बिजली गिरने को सुरक्षित रूप से ज़मीन पर मोड़ने में मदद कर सकते हैं।
20. परिवार के सदस्यों, खास तौर पर बच्चों को बिजली के खतरों और बरसात के मौसम में बिजली से सुरक्षा के महत्व के बारे में बताएं। उन्हें बिजली के उपकरणों या आउटलेट से खेलने से बचने के लिए प्रोत्साहित करें, खासकर जब बाहर बारिश हो।
21. विद्युत आपातस्थितियों, जैसे बिजली कटौती या विद्युत आग लगने की स्थिति में आपातकालीन इलेक्ट्रीशियन और उपभोक्ता कंपनियों की संपर्क जानकारी अपने पास रखें।

सुरक्षा नियम अपनाओ, सुरक्षित भविष्य पाओ

सावधानी से गर्मी को मात दें: सुरक्षित और ऊर्जा कुशल AC का उपयोग संबधित:

राजधानी दिल्ली में, जहां गर्मी के मौसम में तापमान काफी अधिक और प्रदूषण का स्तर भी ऊंचा होता है, एयर कंडीशनर (एसी) का इस्तेमाल करते हुए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ताकि ऊर्जा दक्षता (एफिशिएंसी) के साथ–साथ सुरक्षा और स्वास्थ्य को भी सुनिश्चित किया जा सके। यहां ऐसी ही कुछ जरूरी सावधानियों की जानकारी दी जा रही है:

- सही स्थान पर लगाना: एसी को छाया वाली जगह पर लगाएं ताकि हीट लोड कम हो
- नियमित सर्विसिंग: फिल्टर, कॉइल और ड्रेन पाइप हर 2–3 महीने पर बदलें ताकि एफिशिएंसी रहे
- रेफ्रिजरेंट लेवल की जांच: एसी का रेफ्रिजरेंट लेवल कम होने से कूलिंग भी कम होती है और बिजली की खपत बढ़ जाती है
- एयर प्योरीफाइंग फिल्टर का प्रयोग: दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर काफी ज्यादा है, इसलिए HEPA या एक्टीवेटेड कार्बन फिल्टर वाले एसी का प्रयोग करने से इंडोर एयर क्वालिटी में सुधार होता है
- वेंटिलेशन महत्वपूर्ण है: कभी–कभी ताजी हवा भी अंदर आने दें ताकि भीतर की हवा रुकी न रहे
- काफी कम तापमान सेट करने से बचें: एसी का टेम्प्रेचर 24–26°C पर रखें ताकि सांसों की तकलीफ न हो और बिजली की खपत भी कम रहे
- एनर्जी एफिशिएंट एसी का प्रयोग: 5–स्टार BEE – रेटिंग वाले एसी का चुनाव करें, ऐसा करने से बिजली बिल भी कम होगा
- दरवाजे और खिड़कियां बंद रखें: कमरे का तापमान बरकरार रखने के लिए हवा का रिसाव नहीं होना चाहिए
- एसी के साथ सीलिंग फैन भी चलाएं: ऐसा करने से हवा अच्छी तरह से सर्कुलेट होती है और एसी पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता
- अत्यधिक प्रयोग से बचें: एसी का बहुत अधिक इस्तेमाल करने से कम्प्रेसर गरम हो जाता है, इसलिए जब जरूरत न हो तो एसी को बंद कर दें या लगभग 4 घंटे लगातार इस्तेमाल करने के बाद इसे बंद करें।

इन सावधानियों का पालन करने से आप एसी को एफिशिएंटली ऑपरेट कर सकेंगे, एयर क्वालिटी बेहतर होगी और आपको दिल्ली की भीषण गर्मी में भी अधिकतम राहत मिलेगी।

पुराने और रिपेयर किए गए एसी के साथ परेशानियां

गर्मियों के मौसम में पुराने और रिपेयर किए गए एयर कंडीशनर (एसी) का इस्तेमाल करने से आग लगने, बिजली का झटका लगने, हेल्थ रिस्क और इनएफिशिएंसी समेत सुरक्षा संबंधी कई प्रकार के जोखिम हो सकते हैं।

- **ओवरहीटिंग कंपोनेंट:** पुरानी एसी यूनिटों में बिजली के कंपोनेंट में टूट–फूट या घिसे होने अथवा खराब होने की शिकायत हो सकती है, जिसके कारण उनके ओवरहीट होकर आग पकड़ने की आशंका रहती है।
- **सर्किट ओवरलोड:** पुरानी यूनिटें अधिक बिजली की खपत करती हैं, इनसे सर्किट ओवरलोड और बिजली की आग लगने का खतरा भी रहता है।
- **इंसुलेशन का क्षतिग्रस्त होना:** वायरिंग पर टूटे हुए या खराब इंसुलेशन की वजह से लाइव वायर से करंट लगने का खतरा हो सकता है।
- **बिजली की अधिक खपत:** पुराने और सही ढंग से रखरखाव नहीं किए गए एसी ज्यादा बिजली की खपत करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बिजली के बिल अधिक आते हैं और कई बार अधिक लोड की वजह से सिस्टम फेल होने की संभावना भी बढ़ जाती है।
- **अपर्याप्त कूलिंग:** एसी यूनिट के सही ढंग से काम नहीं करने पर प्रभावी तरीके से कूलिंग नहीं हो पाती, जिससे कमरे में ओवरहीटिंग हो सकती है और साथ ही, एसी पर भी दबाव बढ़ता है।
- **एयरफ्लो में रुकावट:** एयर फिल्टर या कंडेंसर कॉइल में रुकावट के कारण कम्प्रेसर ओवरहीट हो सकता है, और कई बार दुर्लभ मामलों में, उसमें विस्फोट भी हो सकता है।
- **रेफ्रिजरेंट ओवरचार्जिंग:** कई बार रिपेयरिंग के काम में गड़बड़ी के चलते अधिक मात्रा में रेफ्रिजरेंट डाला जाता है, जिससे कम्प्रेसर में प्रेशर बढ़ता है और यह खतरनाक भी हो सकता है।

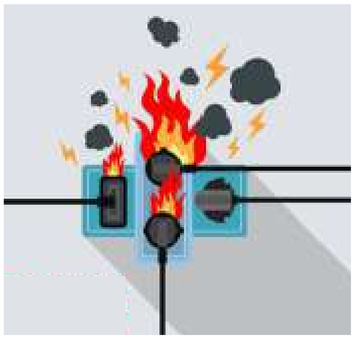

- **नियमित रखरखाव:** गर्मियां शुरू होने से पहले ही प्रोफेशनल सर्विसिंग करवा लें ताकि सुरक्षित तरीके से एसी का प्रयोग सुनिश्चित हो सके।

  पुराना या दोषपूर्ण एसी इस्तेमाल करने से न सिर्फ सुरक्षा संबंधी जोखिम बढ़ जाते हैं बल्कि इससे कूलिंग एफिशिएंसी पर भी असर पड़ता है और बिजली की बचत भी नहीं हो पाती। समय पर सही तरीके से रखरखाव करें और समय पर एसी यूनिट को बदलें ताकि गर्मी के मौसम में सुरक्षित और आरामदायक रहें।

नोट्स

नोट्स

आपात कालीन नंबर

बीआरपीएल		: 19123 (टोल फ्री)
आपात कालीन		: 011 49516707
बीएसईएस		: 8800919123
आपदा / डिजास्टर		: 1077 (टोल फ्री)
पुलिस		: 112 (टोल फ्री)
फायर		: 101 (टोल फ्री)
एम्बुलेंस		: 102 (टोल फ्री) / 108
महिला हेल्प लाईन		: 1091

1. आपके घर पर काम करनें वाले वर्कर्स को भी उनके हित में यह सूचनायें शेयर करें। आपका यह कदम शायद किसी की परेशानी में उसकी सहायता कर सके
2. अर्थिगः सुरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है गर्मियों के सीजन में इसकी महत्ता और भी बड़ जाती है सुनिश्चित करें कि आपके घर की अर्थिग बिल्कुल अच्छी रहे ताकि आपका परिवार सुरक्षित रहे अर्थिग आपके उपकरणों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करती है।
3. यह पुस्तिका **BRPL web site** पर अपलोड है आप वहाँ से डाउनलोड कर सकते हैं।

नहीं मिलेगा जीवन दोबारा । सुरक्षा हो कर्त्तव्य हमारा ।।

BSES Rajdhani Power Limited

Regd. Off.: BSES RAJDHANI POWER LIMITED

BSES Bhawan, Nehru Place, New Delhi – 110019, India

Corporate Identication No.: U40109DL2001PLC111527

Web Site : www.bsesdelhi.com

www.facebook.com/bsesdelhi http://twitter.com/bsesdelhi